साप्ताहिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

राशि जारी होने के बाद भी स्कूलों का निर्माण अधूरा

कोरबा, (आरएनएस)। शासन द्वारा शिक्षा का उजाला चहुंओर फैलाने योजना तैयार कर फ ंड जारी किया जा रहा है। इसके लिए गांव एबीहड़ एवनांचल सहित शहरी क्षेत्रों में स्कूल भवन निर्माण के लिए करोड़ो रूपए की राशि दी जा रही है। परंतु कुछ अधिकारियों द्वारा इस फंढ में भ्रष्टाचार कर स्कूल भवनों का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। ऐसे ही एक मामले की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में की गई है। सीएसईबी कॉलोनी निवासी हीरा राठौर द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत वर्ष 2006 से 2014 तक स्कूल निर्माण हेतु जिला परियोजना कार्यालय राजीव गांधी शिक्षा मिशन से राशि जारी की गई। इसके बाद भी स्कूल भवनों का निर्माण अधूरा है। स्कूल निर्माण कि लिए स्वीकृत की गई राशि से कार्य पूर्ण कर लेना था। परंतु जिले के 34 स्कूलों का निर्माण कार्य पूर्ण नही किया गया है। जिला कलेक्टर द्वारा पत्र क्रमांक 887 एवं 889 में 13 प्राथमिक शाला भवन निर्माण हेतु जारी राशि वसूली का आदेश दिया गया है। इसके अलावा 21 मध्यामिक एवं प्रथामिक शाला भवन निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए 28 दिसबंर 2017 को पत्र जारी किया गया है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्कूल भवन निर्माण में भारी भ्रष्टाचार किया गया है। बावजूद इसके कार्यालय कोरबा जिला खनिज संस्थान न्यास के आदेश क्रमांक एमडीएमटी . 15 . न. क्र..01 .2017-2018 . 5141 कोरबा दिनांक06.12.2017 को नया आदेश जारी हुआ है। जिसमें प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल भवन बनाने के लिए लगभग 16 करोड़ की राशि जारी की गई है। जिससे यह प्रतीत होता है कि पूर्व में जारी की गई राशि की वसूली नही की जा सकी है।इसके बाद भी नई राशि जारी कर दी गई है। कलेक्टर से 2006 से 2014 के बीच स्कूल भवन निर्माण के लिए दिए गए राशि की वसूली की मांग की गई है। साथ ही भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने मांग की गई है।

जिला अस्पताल में महिला की संदिग्ध मौत

कोरबा, (आरएनएस)। होली पर्व से ठीक पहले पांडे परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। गत रात्रि परिवार की नवविवाहिता बहू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कमरे में फांसी के फ ंदे पर लटका हुआ उसका शव मिला है। मृतिका के मायके पक्ष ने ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आज सुबह वैधानिक कार्रवाई की गई। परिजनों ने पति व अन्य ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए जिला अस्पताल में भारी हंगामा मचाया। पुलिस ने मकान को सील कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 रामसागर पारा में प्रदीप पांडे अपनी पत्नी नीशु पांडे 27 वर्ष के साथ निवासरत है। जावलपुर बलौदा निवासी नीशु का विवाह दिसंबर 2013 में प्रदीप पांडे के साथ हुआ था। विवाह से उन्हें एक तीन वर्षीय पुत्री है। नीशु का पति कोसाबाड़ी क्षेत्र में संचालित एक पैथोलॉजी लैब में कम्प्यूटर आपरेटर है। बताया जाता है कि प्रदीप पांडे पहले भैसामुड़ा उरगा में रहता था। जो पिछले कुछ समय से रामसागर पारा में रह रहा है। लेकिन उसकी पुत्री भैसामुड़ा में ही रहती है। जिसे भैसामुड़ा भेजने को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद होता था। बीती रात भी पति पत्नी के बीच इसी बात को लेकर वादविवाद होने की खबर है। पति के अनुसार देर रात नीशु ने फ ांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । बताया जाता है कि उसने कमरे का दरवाजा भीतर से बंद कर लिया था। जिसकी सूचना पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। नीशु की मौत की खबर मिलते ही मायके पक्ष भी कोरबा पहुंचे उन्होंने जिला अस्पताल में भारी हंगामा करते हुए ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। परिजनों की मानें तो दहेज के नाम पर उनकी पुत्री को परेशान किया जाता था। कुछ समय पहले ही उन्होंने तीन लाख रूपए दहेज दिया था। हंगामें के बीच पुलिस ने मायके पक्ष को आश्वस्त किया कि निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की जाएगी। जिसे लेकर मायके पक्ष ने विभिन्न बिदुंओं पर जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित 2 हितग्राहियों को 8 लाख रूपये की मुवाअजा राशि स्वीकृत

सूरजपुर, (आरएनएस)। कलेक्टर केसी देव सेनापति के निर्देशन में अपर कलेक्टर सर्वनाथ राम से प्राप्त जानकारी अनुसार प्राकृतिक आपदा पीड़ित 02 हितग्राही को 08 लाख रूपये की मुआवजा राशि स्वीकृत किया गया है। जारी आदेश के तहत् विकास खण्ड ओड़गी अंतर्गत मृतक निवासी ग्राम उमापुर काशी प्रसाद पिता गया प्रसाद जाति अहिर की मृत्यु 22 जुलाई 2016 को सर्पदंश से होने के कारण मृतक के निकटतम वारिश उसके पत्नि सीताकुवंर पति स्व0 काशी प्रसाद तथा विकासखण्ड भैयाथान अंतर्गत मृतक निवासी ग्राम केनापारा मनीष राजवाड़े पिता परमेश्वर जाति रजवार की मृत्यु 27 जुलाई 2017 को कुआं के पानी में डूबने से होने के कारण मृतक के निकटतम वारिश उसके पिता परमेश्वर आ0 हरकलाल को चार-चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 की संशोधित प्रावधान अंतर्गत आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि आबंटन की प्रत्याशा में मांग संख्या 58 शीर्ष 2245 प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत वर्ष 2017-18 में आबंटन विकलनीय होगा।

पिंपल फ्री स्किन के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, कभी नहीं होगी समस्या

चेहरे को साफ रखने के लिए हम क्या कुछ नहीं करते. लेकिन, मुहांसे की वजह हमेशा चेहरा दाग-धब्बों से भरा रहता है. अगर आप भी अपने चेहरे को दमकता हुआ बनाना चाहते हैं और पिंपल फ्री स्किन चाहते हैं तो आपको कुछ आसान तरीके अपनाने होंगे. यह बिल्कुल मुश्किल नहीं है. आपको घर बैठे ही इस समस्या से छुटकारा मिल सकता है. दरअसल, मुहांसे होने से कॉन्फिडेंस में भी कमी आ जाती हैं क्योंकि उम्र के हर पड़ाव पर शरीर में हार्मोनल बदलाव होते हैं, जिससे चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं. महंगे प्रोडक्ट्स, ट्रीटमेंट से त्वचा और भी खराब होती हैं, ऐसे में आयुर्वेद की मदद से चेहरे को पिंपल फ्री रखा जा सकता है. ऑयल को करें खत्म नींबू में मुहांसों से लड़ने के कुछ रासायनिक गुण मौजूद होते हैं, इसमें विटामिन सी की मात्रा बहुत अधिक होती हैं. नींबू का सबसे बड़ा गुण ऑयल (चिकनाई) को खत्म करने का होता हैं, क्योंकि इसके सिट्रिक एसिड होता हैं. नींबू एक नेचुरल एंटी बैक्टीरियल-एंटीसेप्टिक हैं. आपको निम्बू के रस को चेहरे पर लगाना हैं जिसके लिए आप ताजा निम्बू का रस इस्तेमाल करें. निम्बू के रस को चेहरे पर लगाने से पहले चेहरे को अच्छे से धो लें फिर इसके बाद इसे एक कॉटन की मदद से पिम्पलस के ऊपर दिन में दो-तीन बार लगाएं 20 मिनट तक लगाकर चेहरा धो लें. विटामिन ए स्किन को बनाएं कोमल पपीता एक ऐसा फल हैं जो अपने बहुत से गुणों के कारण मशहूर हैं. यह खाने के साथ-साथ मुहांसों पर लगाने के लिए भी कारगर हैं. इसमें हमारी त्वचा के लिए फायदेमंद विटामिन ए और बहुत से गुणकारी एंजाइम्स पाएं जाते हैं जो पिम्पल्स की मुश्किल को दूर करने के साथ-साथ स्किन को कोमल भी बनाता हैं. आप घर पर इसका फेस पैक बनाकर लगा सकती हैं या फिर इसका पेस्ट बनाकर पिम्पल के ऊपर 15-20 मिनट तक लगाएं और बाद में ठंडे पानी से फेस वॉश कर लें.स्किन का पीएच लेवल भी करें कंट्रोल बेकिंग सोडा पिम्पल्स को खत्म करने का सबसे आसन और सस्ता उपाय है. बेकिंग सोडा से पिम्पल्स के आस-पास हुई सूजन को भी खत्म कर देता हैं और स्किन के पीएच लेवल को भी कंट्रोल रखता है. यह अनचाहे ब्लैकहैड्स से भी छुटकारा दिला देता हैं. आपको केवल एक चम्मच बेकिंग सोडा में कुछ बूंदे साफ पानी या गुलाब जल की मिलाकर इसका पेस्ट बनाना हैं फिर इस पेस्ट को पिंपल्स वाली जगह पर 5-10 मिनट तक लगाकर पानी से धो लेना हैं. आप इस पेस्ट को रोजाना इस्तेमाल करेंगे तो जल्द ही आपको पिंपल्स से छुटकारा मिल जाएगा. नीम का रस एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर नीम के रस से कोई भी चोट या घाव जल्दी ठीक हो जाता है, क्योंकि इसके पत्तों में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं. इसलिए इसे पिंपल्स के लिए भी इस्तेमाल में लाया जाता है. इसके अंदर औषधीय गुण पाए जाने के कारण ये खून की वजह से होने वाली त्वचा की सभी प्रॉबलम्स को दूर करने में सक्षम है. इसके लिए आप नीम के पत्तों को पानी में उबालकर रख लें और ठंडा होने पर इस पानी को कॉटन के साथ पिंपल्स वाले स्थान पर लगाएं या फिर आप नीम के पत्तों को पीस कर उसमें पानी मिलाकर फेस पैक बनाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं. एलोवेरा जूस का भी करें सेवन एलोवेरा में इसमें 75 पोषक तत्व होने के साथ ही इसमें एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेंटरी गुण भी पाएं जाते हैं. इनसे ये पिंपल्स बैक्टीरिया से लड़ पाते हैं, इसके उपयोग के लिए एलोवेरा की पत्तियों को तोड़कर उनका छिलका उतारकर गुद्दे को अपने चेहरे पर रगड़े और इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें. हमेशा ताजी तोड़ी हुई एलोवेरा की पत्तियों का ही इस्तेमाल करें या फिर आप एलोवेरा जूस का सेवन भी सुबह-सुबह कर सकते हैं.

नींबू पानी पीने के ये 5 फायदें

आप सुबह की शुरुआत नींबू पानी के साथ करें तो इसका फायदा बहुत होगा. रोज सुबह नींबू पानी पीने से न सिर्फ आपका मोटापा कम होगा बल्कि आप कई तरह की बीमारियों से भी दूर रहेंगे, क्योंकि शरीर पर जो नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं, उनको दूर करने के लिए नींबू पानी पीना चाहिए. यह प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर हैं और आपका रूप भी निखारता है, आइये जानते है नींबू पानी के फायदे... मोटापा घटाए अगर आप भी अपना मोटापा कम करना चाहते हैं तो यह आपके लिए सबसे आसान तरीका है आपको रोज सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस डालकर दिन में कम से कम 2 बार पीएं, और हर एक घंटे में एक गिलास पानी का सेवन करें. यह आपको भूख का एहसास न कराते हुए कम खाने में आपकी मदद करता है. क्योंकि पानी आपकी बॉडी को बैलेंस रखने के साथ ही आपकी पाचन क्रिया को भी संतुलित रखता है. डायबिटीज करें दूर हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है नींबू पानी. खासतौर से उनके लिए जो डायबिटिक

हैं. क्योंकि यह शुगर लेवल कंट्रोल कर शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता हैं. सांसों को बनाएं फ्रेश आपके रोज ब्रश करने के बावजूद भी कुछ समय के बाद मुंह से बदबू आने लगती है. ऐसे में खाली पेट नींबू पानी का सेवन करने से आप को इस समस्या से छुटकारा मिलेगा. क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन सी सांसों को फ्रेश रखते हैं और मुंह में मौजूद बैक्टिरिया को खत्म करता है. पेट को रखें स्वस्थ रोज सुबह नींबू पानी पीने से आपकी हाजमा शक्ति बढ़ती है. यह पेट की बीमारियों के लिए भी लाभदायक हैं, क्योंकि इसमें फ्लेवनॉयड्स होते हैं. जो पाचन तंत्र को ठीक रखते हैं साथ ही ये एसिडिटी में भी राहत दिलाता है. इसी कारण जब भी पेट खराब होता है तो नींबू पानी पिलाया जाता है. किडनी स्टोन नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है कि यह किडनी स्टोन से राहत पहुंचाता हैं क्योंकि स्टोन यूरीन को ब्लॉक कर देते हैं जिससे बहुत दर्द होता हैं ऐसे में नींबू पानी पीने से बॉडी को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और किडनी से स्टोन बिना किसी परेशानी के निकल जाता है.

ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग प्रतिबंधित

कोरबा, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा संचालित वर्ष 2018 की हायर सेकेण्डरी एवं हाई स्कूल परीक्षा एवं अन्य स्कूलों की वार्षिक परीक्षा को देखते हुए छात्र, छात्राओं के हित को दृष्टिगत रखते हुए कोलाहल विहीन वातावरण बनाये रखने के लिए जिले में परीक्षा कालावधि में कोलाहल निषेध किये जाने के आदेश जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 10 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बोर्ड कक्षाओं के वार्षिक परीक्षा कार्य समाप्ति तक के लिए जिला दंडाधिकारी कोरबा मो. कैसर अब्दुल हक द्वारा कोरबा जिला क्षेत्रांतर्गत ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग निषेध किया गया है। आवश्यक कार्य हेतु ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक दण्डाधिकारी तथा शहरी क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट से लिखित अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग प्रातः 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक की अवधि में किया जा सकता है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

दांतों के पीलेपन से चंद मिनटों में मिलेगा छुटकारा

दांतो की समस्या एक ऐसी समस्या है जो किसी को भी कभी भी हो सकती है. जिसकी वजह दांतो की ठीक से देखभाल और साफ़-सफाई न करना है. जिसके कारण उनमे सूजन, सड़न आदि की समस्या उत्पन्न हो जाती है. इसलिए जितना जल्दी हो सके इस समस्या का इलाज करवाना चाहिए. आज हम आपको कुछ प्राकृतिक नुस्खों से दांतो को चमकदार और मजबूत बनाना सिखाएंगें. बैक्टीरिया खत्म करें लौंग को दांतों के दर्द के लिए सबसे अच्छा उपाय माना जाता है. इसके अलावा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए भी लौंग का प्रयोग किया जाता है. लौंग में विशेष गुण पाए जाते हैं. जिससे दांतो मे दर्द और बैक्टीरिया खत्म होता हैं. इसके लिए 1 लौंग अपने दांतो मे हो रहे दर्द वाले स्थान पर रखें. ऐसा करने से धीरे धीरे दांतो का दर्द कम होने लगेगा. मुंह की बदबू से राहत नीम की पत्तियां जहां इंफेक्शन से दूर रखती है वहीं नीम का दातुन दांतो के लिए एक रामबाण उपाय हैं. दांतों पर तथा मुंह में मौजूद बैक्टीरिया ही मुंह की बदबू का सबसे बड़े कारण होता है. ऐसे में नीम का दातुन सभी बैक्टीरिया को खत्म करने में काफी लाभकारी है. इससे दांत मजबूत तो होते ही है पर उसके साथ ही उनमें कीड़ा लगने की संभावना भी खत्म हो जाती है. दर्द में राहत अगर दांत हिलने लगे है तो उसके लिए हर दिन सुबह उठकर नमक के साथ सरसों का तेल मिलाकर अपने दांतों को इससे साफ करें और दर्द वाली जगह पर भी लगाएं. इसके बाद हल्के हाथों से दांतों पर मसाज दांतों करें. कुछ ही दिनों में फर्क देखने को मिलेगा. बबूल की छाल अगर आपके मसूढ़ों में खून और सूजन आ जाती हैं तो बबूल की छाल सबसे कारगर उपाय है. इसके लिए आप रोज तीन बार बबूल का काढ़ा बनाकर कुल्ला करें. आप इसकी पत्तियां, फूल और कलियों को बराबर मात्रा में लेकर चूर्ण बना लें और इस चूर्ण से रोजाना दांत साफ करने से दांतो के सभी रोग दूर हो जाएंगें. पीलापन दूर करें दांतों के लिए तुलसी के अनेक फायदे हैं. अगर आपके दांतों में पीलापन है तो तुलसी के पत्तों को धूप में सुखाकर उसका पाउडर बना लें फिर पाउडर को टूथपेस्ट में मिलाकर रोजाना ब्रश करने से दांतों में चमक आ जाती है. इसके अलावा संतरे के छिलके और तुलसी के पत्तों को सुखाकर भी पाउडर बनाकर ब्रश करने के बाद पाउडर से दांतों की मसाज करें. इससे दांतों का पीलापन दूर होगा.

जन सहयोग से मिल रहा स्मार्ट रायपुर को नई पहचान

रायपुर, (आरएनएस)। क्षेत्रीय प्रचार निदेषालय सूचना एवं प्रसार मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिषन-स्वच्छ सर्वेक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यषाला का षुभारंभ रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त व स्मार्ट सिटी के एम.डी. रजत बंसल ने किया। फील्ड सूचना अधिकारियों को स्वच्छता विषयक कार्यक्रमों के संदर्भ में अवगत कराने आयोजित इस जागरुकता कार्यक्रम में प्रेस इनफर्मेशन ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक आर.एन. मिश्रा विषेष रुप से शामिल हुए। कार्यषाला का शुभारंभ करते हुए स्मार्ट सिटी के एम.डी. रजत बंसल ने स्वच्छ रायपुर के लिए किए जा रहे अभिनव कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होनें कहा कि नागरिकों को मोर रायपुर के जरिए नगर के प्रति अपनत्व की भावना जागृत हो, और उनके सुझाव व सहयोग से कार्यक्रम निर्धारित हो सके, यह प्राथमिकता निर्धारित की गई है। त्वरित गति से कार्यो के निष्पादन के लिए रायपुर चेंज रोवर्स के जरिए अनुभवी व युवा फील्ड फोर्स तैयार कर नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने का संकल्प लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होनें 5.ए.एम. आर्मी का भी विषेष जिक्र किया जो षहर को स्वच्छ रखने उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। कचरा महोत्सव के उद्देश्य की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की प्रशसा से स्वच्छता को लेकर अच्छा वातावरण बना है, इससे कबाड़ एवं अनुपयुक्त वस्तुओं के प्रति लोगों के दृष्टिकोण में भी बदलाव आया है। अतिरिक्त महानिदेशक आर.एन. मिश्रा ने स्वच्छता को एक संकल्प के साथ सभी के जीवन में व्यवहारिक रुप से शामिल करने जनभागीदारी पर जोर देते हुए सूचना षिक्षा व संवाद को अपरिहार्य बताया। रायपुर नगर निगम व स्मार्ट सिटी के कचरा महोत्सव का उल्लेख करते हुए उन्होनें कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस गहनता से इस कार्यक्रम का जिक्र कर मन की बात कार्यक्रम में प्रषंसा की है, निश्चय ही वह जनभागीदारी से चल रहे कार्यक्रमों के लिए एक उत्त्रम उदाहरण है। उन्होनें स्मार्ट सिटी रायपुर में चल रहे अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की भी जानकारी ली एवं जनभागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के सोच व संकल्प की प्रशंसा की। कार्यशाला में स्मार्ट सिटी के मुख्य प्रचालन अधिकारी गौरव मिश्रा ने कबाड़ महोत्सव के आयोजन संबंधी प्रेजेंटेषन दिया एवं फील्ड प्रचार अधिकारियों के प्रष्नों का विस्तार से समाधान किया। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन छत्तीसगढ़ की राज्य समन्वयक अभिलाशा आनंद ने खुले में शौच मुक्त शहर व सफ ाई विषयक जन चेतना की बारीकियों से अवगत कराया। अंतिम सत्र में बंच ऑफफूल्स के सतीश भुवालका द्वारा युवाओं के जरिए षहर को सुंदर व स्वच्छ बनाने किए जा रहे कार्यो के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस एक दिवसीय कार्यशाला में असिस्टेंट डायरेक्टर जबलपुर वर्षा शुक्ला पाठक, डी.ए.व्ही.पी. रायपुर के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेस फाये, राज्य कार्यक्रम समन्वयक प्रदीप विष्वकर्मा सहित पूर्वी क्षेत्र के फ ील्ड प्रचार अधिकारी उपस्थित थे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- मराठा साम्राज्य का संस्थापक कौन था। शिवाजी
- भागवद्गीता योगवशिष्ठ उपनिषद् एवं रामायण का फारसी अनुवाद किसने करवाया। दाराशिकोह
- धरमट का युद्ध किसके बीच हुआ। दाराशिकोह एवं औरंगजेब के मध्य
- औरंगजेब को किस नाम से जाना जाता था। जिंदा पीर
- शिवाजी द्वारा लगाए गए दो कर कौन से थे। सरदेशमुखी
- लम्पट मूर्ख किसे कहा जाता था। जहांदार शाह को
- रंगीला बादशाह किसे कहा जाता था। मुहम्मदशाह को
- ईरान का नेपोलियन किसे कहा गया। नादिरशाह को
- मुगल दरबार में आने वाला प्रथम अंग्रेज कौन था। कैप्टन हॉकिन्स
- गुरुमुखी लिपि का आरंभ किसने किया। गुरु अंगद ने
- खालसा पंथ की स्थापना किसने की। गुरु गोविन्द सिंह ने
- फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किसने की। लार्ड वेलेजली ने
- भारत में पहली बार सार्वजनिक निर्माण विभाग की स्थापना किसने की। लार्ड डलहौजी ने
- अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना किसने की। लॉर्ड मेयो
- भारत के उद्धारक की संज्ञा किसे दी गई। लॉर्ड रिपन
- शिमला समझौता कब हुआ। 1972
- स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन था। लॉर्ड माउंटबेटन
- तात्या टोपे का वास्तविक नाम क्या था। रामचन्द्र पांडुरंग
- इंग्लैंड में भारतीय सुधार समिति की स्थापना किसने की। दादा भाई नौरोजी
- जलियांवाला बाग हत्याकांड में जनरल डायर का सहयोग करने वाले भारतीय का नाम बताओ। हंसराज
- मेवाड़ में भील आंदोलन का नेतृत्व किसने किया। मोतीलाल तेजावत
- साइमन कमीशन को और किस नाम से जाना जाता है। वाइट मैन कमीशन
- प्रथम गोलमेज सम्मेलन कब हुआ। 12 सितम्बर 1930
- तरुण स्त्रीसभा का स्थापना कहां की गई थी। कलकत्ता
- मनुष्य ने सर्वप्रथम किस धातु का प्रयोग किया। तांबा
- भारत का भूगोल नामक पुस्तक किसने लिखी। टॉलमी
- सुभाष चंद्र बोस का सर्वप्रथम नेताजी किसने कहा था। एडोल्फहिटलर
- महात्मा गांधी को अधनंगा फक्रीर किसने कहा था। चर्चील
- बल्लभ भाई पटेल को सरदार की उपाधि किस आंदोलन के बाद प्रदान की थी। बारदोली सत्याग्रह
- जय हिंद का नारा किसने दिया था। सुभाष चंद्र बोस
- भारत को तलवार के बल पर विजित किया गया है और तलवार के बल ही इसकी रक्षा की जाएगी यह कथन है। लॉर्ड एल्गिन
- जनवरी 1879 में ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को किस उपाधी से सम्मानित करने के लिए दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया। कैसर.ए.हिंद
- चौदहवीं लोकसभा के अध्यक्ष कौन थे। सोमनाथ चटर्जी
- सरिस्का में बाघों के विलुप्त होने की घटना की जांच हेतु केंद्र सरकार ने किसकी अध्यक्षता में कार्यदल बनाया है। सुनिता नारायण